

Sugarcane arrears

1076. SHRI S. R. DAMANI:

SHRI BRIJ BHUSHAN
TIWARI:SHRI LAXMINARAIN
NAYAK:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) the amount outstanding for payment of sugarcane growers by the sugar mills, mill-wise, in each State;

(b) how long they have been outstanding and the reasons thereof; and

(c) what steps Government have taken to ensure prompt payment for sugarcane supplies made to mills by cultivators?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) and (b). A statement giving amounts of sugarcane prices outstanding as also seasons to which such outstanding relate is laid on the Table of the House. (Placed in Library. See No. LT-406/77). The reasons for non-payment can be due to a variety of factors, like the financial health of the factory, stay orders from courts, growers not turning up, etc.

(c) Under the Sugarcane (Control) Order, 1966, sugarcane dues are to be paid within 14 days of delivery. Some State Governments have also enacted legislation levying penal rate of interest for delayed payments. Weekly reports have been called for from the factories showing cane price payments. In cases of abnormal delay in payment the matter is taken up with the State Government.

उबंरकों की कीमत में वृद्धि

1077. श्री के० लक्ष्मणा :

डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :

क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उबंरकों की बढ़ी हुई कीमतों से किसानों में असंतोष है ; और

(ख) यदि हां, तो उनकी कीमतें कम करने के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) (क) और (ख): उबंरकों की बढ़ी हुई कीमतों के कारण किसानों में असंतोष होने के बारे में सरकार के पास कोई सूचना नहीं है। वास्तव में 1974 से उबंरकों के मूल्यों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। इसके विपरीत 18 जुलाई, 1975 से 8 फरवरी, 1977 तक की अवधि के दौरान उबंरकों के मूल्यों में 5 बार कमी हुई है। पी2 और 5 पर राज सहायता दी गई है तथा सिंगल सुपर फासफेट पर उत्पाद शुल्क में कमी की गई है। इसके प्रतिरिक्त म्यूरिएट ग्राफ पांटाश पर प्रति लाभ की समाप्ति की गई है। फासफेरिक एसिड पर आयात कर को घटा दिया गया है तथा कच्चे माल की लागत में कमी कर दी गई है। समय समय पर उबंरकों के मूल्यों का पुनरीक्षण किया जाता है और जब कभी कोई कमी करने की संभावना। उपयुक्तता पाई जाती है तब कार्यवाही की जाती है।